CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

+91 7428706078
info@cedsi.in

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

मिल्मा ने दक्षिणी केरल में डेयरी किसानों के लिए तीन कल्याणकारी योजनाएँ शुरू कीं

मिल्मा के तिरुवनंतपुरम क्षेत्रीय सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ (TRCMPU) ने केरल के दक्षिणी जिलों में डेयरी किसानों के लिए तीन कल्याणकारी परियोजनाओं का अनावरण किया, जिसका शुभारंभ डेयरी विकास और पशुपालन मंत्री जे. चिंचुरानी ने नेय्याट्टिनकारा में किया। क्षीरा सुमंगली, क्षीरा सौभाग्य और संथवाना स्पर्श नामक योजनाओं का उद्देश्य तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पथानामथिट्टा और अलप्पुझा जिलों के किसानों को सहायता प्रदान करना है।

क्षीरा सुमंगली डेयरी किसानों की बेटियों की शादी के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जबकि क्षीरा सौभाग्य नवजात लड़कियों के लिए ₹10,000 जमा योजना है। संथवाना स्पर्श गंभीर बीमारियों से पीड़ित किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। मंत्री चिंचुरानी ने 'हीट इंडेक्स कैटल इंश्योरेंस' योजना के तहत मुआवजे के रूप में ₹1.18 करोड़ का वितरण भी शुरू किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक के. अंसलान ने की, जिसमें टीआरसीएमपीयू के अध्यक्ष मणि विश्वनाथ और अन्य अधिकारी उपस्थित थे, जिन्होंने स्थानीय डेयरी समुदाय के लिए इन पहलों के महत्व को रेखांकित किया।

एनडीडीबी रणनीतिक व्यवसाय योजना के साथ ग्वालियर और जबलपुर डेयरी संघों को पुनर्जीवित करेगी

मध्य प्रदेश सहकारी डेयरी फेडरेशन (एमपीसीडीएफ) राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की विशेषज्ञता के साथ वित्तीय रूप से संकटग्रस्त ग्वालियर और जबलपुर दूध संघों का कायाकल्प करने जा रहा है। जुलाई में हस्ताक्षरित एक समझौता ज्ञापन के तहत, एनडीडीबी अगस्त के अंत तक एक व्यापक व्यावसायिक रोडमैप पेश करेगा, जो मध्य प्रदेश के डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

एमपीसीडीएफ के प्रबंध निदेशक डॉ. सतीश कुमार ने इस सहयोग के माध्यम से ग्वालियर और जबलपुर संयंत्रों को पुनर्जीवित करने के बारे में आशा व्यक्त की, तथा घाटे में चल रही इकाइयों के अपेक्षित आधुनिकीकरण और परिचालन पुनरुद्धार पर प्रकाश डाला। एनडीडीबी की योजना सहकारी डेयरी क्षेत्र को उन्नत करने के लिए उन्नत उपायों को लागू करने पर केंद्रित होगी।

वर्तमान में ग्वालियर दुग्ध संघ तीन जिलों से प्रतिदिन 22,000-25,000 लीटर दूध एकत्र करता है, लेकिन गुणवत्ता संबंधी समस्याओं और किसानों की उदासीनता के कारण संग्रह प्रभावित हो रहा है। ग्वालियर सहकारी दुग्ध संघ के सीईओ अनुराग सिंह सेंगर ने बताया कि किसान महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे अन्य राज्यों में दूध बेचना पसंद करते हैं।

भारत के पशुपालन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय बैंकर्स की बैठक

उपाध्याय ने भारत के पशुधन उद्योग को आगे बढ़ाने में बैंकिंग क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की, दूध उत्पादन में देश के शीर्ष स्थान और अंडा, मछली, मांस और मुर्गी बाजारों में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बैंकों द्वारा क्रेडिट-लिंक्ड योजनाओं के माध्यम से आत्मनिर्भरता, निर्यात वृद्धि और प्रसंस्करण संवर्द्धन का समर्थन करने की आवश्यकता पर बल दिया।

पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD) के लिए केंद्रीय स्तरीय बैंकर समन्वय समिति की पहली बैठक 5 अगस्त, 2024 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में हुई। DAHD की सचिव अलका उपाध्याय की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में DAHD, NABARD, SIDBI, NDDB, NCDC और प्रमुख बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

अतिरिक्त सचिव वर्षा जोशी ने इस क्षेत्र में ऋण देने वाली एजेंसियों की परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर दिया। चर्चा में पशुपालन अवसंरचना विकास निधि (एएचआईडीएफ), राष्ट्रीय पशुधन मिशन-उद्यमिता विकास कार्यक्रम (एनएलएम-ईडीपी) और किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) जैसी डीएएचडी पहलों पर चर्चा की गई, चुनौतियों का समाधान किया गया और वित्तीय पहुंच का विस्तार करने तथा क्षेत्र के विकास को समर्थन देने के अवसरों की खोज की गई।

मेघालय ने 'मेघालय ब्रांड' लॉन्च करने और कृषि को बढ़ावा देने के लिए मदर डेयरी के साथ साझेदारी की

कृषि विपणन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के लिए एक परिवर्तनकारी कदम में, मेघालय सरकार ने राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) की एक सहायक कंपनी मदर डेयरी फ्रूट्स एंड वेजिटेबल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। राष्ट्रीय और वैश्विक मंचों पर 'मेघालय ब्रांड' स्थापित करने के लिए। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा की उपस्थिति में शुक्रवार को हस्ताक्षरित इस ऐतिहासिक समझौते का उद्देश्य बाजार संपर्क को बढ़ाना, कटाई के बाद की देखभाल में सुधार करना और राज्य के डेयरी, फल और सब्जी क्षेत्रों को मजबूत करना है।

यह साझेदारी वैरिएटल सुधार, फसल अनुसंधान और रसद अनुकूलन पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिससे किसानों के लिए सीधे बाजार तक पहुंच सक्षम होगी और जैविक उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा। NDDB के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. मीनेश शाह ने मेघालय के किसानों का समर्थन करने, बेहतर मूल्य और बाजार तक पहुंच सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

मदर डेयरी उपज के शेल्फ जीवन को बढ़ाने और प्रसंस्करण क्षमताओं को बढ़ाने में सहायता करेगी। कृषि एवं किसान कल्याण आयुक्त एवं सचिव डॉ. विजय कुमार डी. ने अनानास और संतरे के निर्यात में हाल की सफलताओं पर प्रकाश डाला, उन्होंने बताया कि 12 मीट्रिक टन अनानास पहले ही विभिन्न दुकानों पर भेजा जा चुका है।

मदर डेयरी के प्रबंध निदेशक मनीष बंदलिश ने अदरक और खासी मंदारिन जैसे प्रीमियम मेघालय उत्पादों की पेशकश करके किसानों और उपभोक्ताओं के बीच की खाई को पाटने के लिए सहयोग की क्षमता की प्रशंसा की। इस पहल का उद्देश्य राज्य की कृषि पहचान को मजबूत करना और देश भर में बिक्री बढ़ाना है।

राजस्थान ने पशुपालकों की सहायता के लिए 250 करोड़ रुपये के कोष की घोषणा की

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य में पशुपालकों की सहायता के लिए 250 करोड़ रुपये आवंटित करते हुए मुख्यमंत्री पशुपालन विकास कोष की स्थापना की घोषणा की। यह घोषणा देवासी समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए की गई, जिन्होंने राज्य के वार्षिक बजट में उनके उत्थान के उद्देश्य से सरकार की पहल के लिए आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री शर्मा ने राजस्थान की अर्थव्यवस्था में पशुपालकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, जो मुख्य रूप से कृषि आधारित है। नया कोष राज्य भर में पशुपालन प्रथाओं को बढ़ावा देने, संरक्षित करने और विकसित करने के लिए बनाया गया है, जिससे पशुपालकों को महत्वपूर्ण लाभ मिलेगा।

इसके अनुरूप, सरकार नर मवेशियों से संबंधित मुद्दों को संबोधित करते हुए डेयरी पशुओं के नस्ल विकास के लिए अनुदान राशि को 50% से बढ़ाकर 75% करने की योजना बना रही है। शर्मा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि ये पहल एक विकसित राजस्थान के लिए व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा हैं, जैसा कि 2024-25 के संशोधित राज्य बजट में उल्लिखित है।

मुख्यमंत्री ने किसानों, पशुपालन, युवाओं और महिलाओं सहित सभी क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने आश्वासन दिया कि राजस्थान में आठ करोड़ लोगों की आकांक्षाओं को इन बजटीय उपायों के माध्यम से पूरा किया जाएगा, जो सशक्तिकरण और आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करता है।

पोथानिक्कड़ पशु चिकित्सा औषधालय का उद्घाटन, सरकार ने डेयरी किसानों के लिए समर्थन बढ़ाया

एर्नाकुलम में पोथानिक्कड़ पशु चिकित्सा औषधालय का उद्घाटन, क्षेत्र में पशु स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने में एक सकारात्मक विकास को दर्शाता है। पशुपालन और डेयरी विकास मंत्री जे. चिंचू रानी ने उद्घाटन समारोह का नेतृत्व किया, जिसमें डेयरी किसानों और पशुधन के कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया।

मंत्री चिंचू रानी ने वायनाड जिले में डेयरी किसानों को समर्थन देने में सरकार के सक्रिय दृष्टिकोण पर जोर दिया, जो हाल ही में भारी बारिश और भूस्खलन से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार खोए हुए पशुओं की संख्या और पशुशालाओं को हुए नुकसान के बारे में जानकारी एकत्र कर रही है, जिसका उद्देश्य किसानों को तेजी से उबरने में मदद करने के लिए लक्षित सहायता और राहत उपाय प्रदान करना है

पोथानिक्कड़ पशु चिकित्सा औषधालय की स्थापना केरल भर में पशु चिकित्सा सेवाओं को बेहतर बनाने की एक बड़ी पहल का हिस्सा है। यह सुविधा किसानों को उनके पशुओं को समय पर और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करके महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करेगी।

मंत्री ने डेयरी क्षेत्र के भविष्य के बारे में आशा व्यक्त करते हुए कहा कि ये प्रयास कृषि समुदायों को मजबूत करने और प्राकृतिक चुनौतियों के खिलाफ लचीलापन बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। इस पहल से स्थानीय किसानों को काफी लाभ मिलने की उम्मीद है, जिससे उनकी उत्पादकता और आजीविका में वृद्धि होगी।

दिल्ली सरकार ने पशु चिकित्सा देखभाल के लिए अभिनव कॉल सेंटर शुरू किया

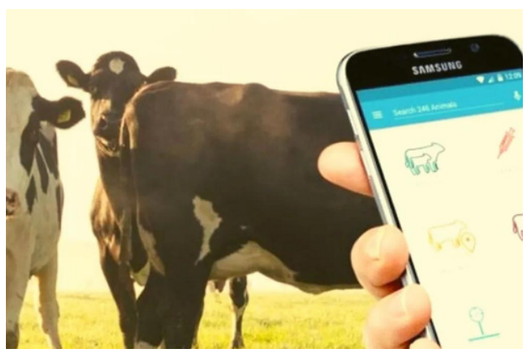

दिल्ली सरकार एक नई पहल के साथ पूरे शहर में पशु चिकित्सा सेवा को बढ़ाने के लिए तैयार है, जिसमें एक कॉल सेंटर की स्थापना और तीन मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों की तैनाती शामिल है। विकास विभाग की पशुपालन इकाई के नेतृत्व में इस परियोजना का उद्देश्य आवारा पशुओं और पशुधन को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करना है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां पशु चिकित्सा सेवाओं की कमी है।

इस पहल में एक टोल-फ्री हेल्पलाइन, 1962 शामिल होगी, जिससे निवासी मामलों की रिपोर्ट कर सकेंगे और मोबाइल पशु चिकित्सा क्लीनिक से मदद मांग सकेंगे। कॉल सेंटर प्रतिदिन 12x7 आधार पर संचालित होगा, जिसमें एक पशु चिकित्सक और तीन कॉल अधिकारी चौबीसों घंटे कवरेज सुनिश्चित करने के लिए दो शिफ्टों का प्रबंधन करेंगे।

यह केंद्रीकृत कॉल सेंटर आपातकालीन प्रतिक्रियाओं का समन्वय करेगा, गंभीर मामलों को निकटतम मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई, अस्पताल या डिस्पेंसरी को भेजेगा। इसमें सेवा वितरण की निगरानी, देखभाल की गुणवत्ता का आकलन करने और सुधार का सुझाव देने के लिए एक फीडबैक-सह-गुणवत्ता टीम भी शामिल होगी।

इस परियोजना का उद्देश्य दिल्ली में पशु चिकित्सा सेवाओं की पहुंच और प्रभावशीलता में उल्लेखनीय सुधार लाना है, ताकि पशुधन और आवारा पशुओं दोनों के लिए समय पर और विश्वसनीय देखभाल सुनिश्चित की जा सके। इस पहल से पूरे शहर में पशु कल्याण को बहुत लाभ मिलने की उम्मीद है।

सीईएएसआई गतिविधियां और उपलब्धियां

सीईएएसआई और नुजिवीडू सीड्स हरियाणा में डायरेक्ट सीडेड राइस धान तकनीक को बढ़ावा दे रहा है

सेंटरस ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर एग्रीकल्चर स्किल्स इन इंडिया (CEASI) और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड हरियाणा में डायरेक्ट सीडेड राइस (DSR) तकनीक को अपनाने की अगुआई कर रहे हैं, जिसकी शुरुआत सोनीपत और पानीपत में जागरूकता कार्यक्रमों से हुई है। DSR 40% तक पानी बचाकर, 50% तक श्रम कम करके और कम ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के माध्यम से स्थिरता को बढ़ाकर एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रदान करता है। यह अभिनव विधि कृषि के लिए एक हरित भविष्य का समर्थन करती है। जैसा कि हम DSR को अपनाते हैं, आइए हम मिलकर "डायरेक्ट सीडेड राइस के साथ स्थिरता के बीज बोएँ - अधिक उगाएँ, अधिक बचाएँ और अपने ग्रह का पोषण करें!"

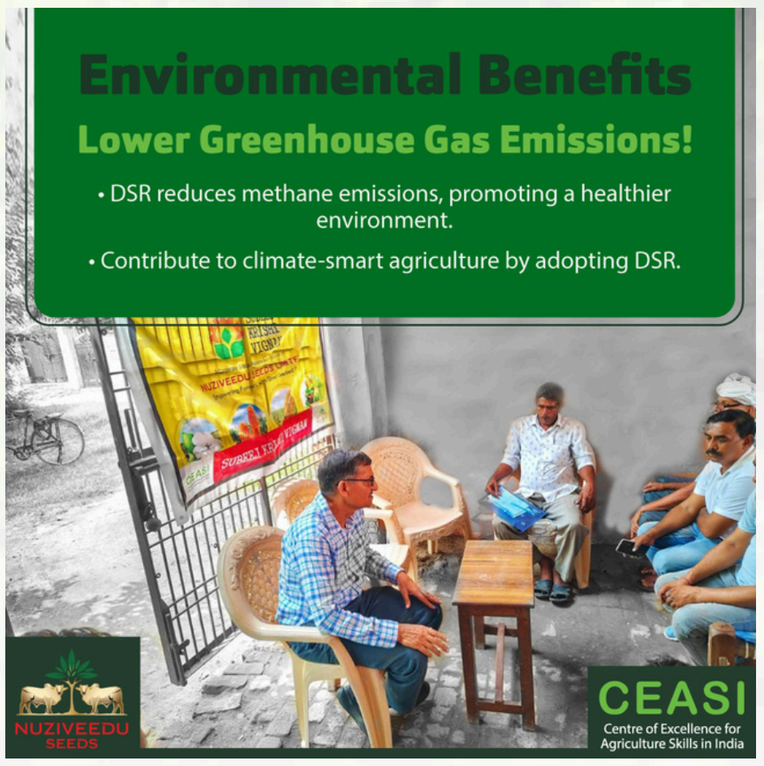

हम कौन हैं?

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई) "सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर एग्रीकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएएसआई)" के तहत काम कर रहा है, यह एक स्वायत्त संगठन है जो "**एग्रीकल्चर स्किल कौंसिल ऑफ़ इंडिया (ASCI)**" के तत्वावधान में काम कर रहा है। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के संगठित और असंगठित क्षेत्रों में लगे किसानों, वेतनभोगी श्रमिकों, स्व-रोज़गार पेशेवरों, विस्तार श्रमिकों आदि के कौशल और क्षमता निर्माण के लिए **कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई**) के तहत काम करना।

सीईएएसआई कृषि के विभिन्न उप-क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्रों का एक शीर्ष संगठन है।

- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर हॉर्टिकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएचएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर फार्म मेकेनिज़शन स्किल्स इन इंडिया (सीईएफएमआई)

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

+91 7428706078

info@cedsi.in

www.cedsi.in Follow us on Facebook Cedsi Dairyskills Follow us on Twitter @CEDSI_India Follow us on Instagram @cedsi_india Follow us on linkedin Cedsi dairy COE

Centre of Excellence for Dairy Skills in India

Join Our Membership Drive and Get Benefits of

- Platform to interact with other members in the sector
- Networking opportunities with corporate leaders and government authorities
- Special costs of training in Skill India Certified Programmes
- Access to our Journal and Publications
- Expert advice in day-to-day operations and management of livestock /farm productions
- Free registration on the job portal and regular updates on job vacancies in the sector
- Recognize your organization with CEDSI Yearly Awards and Recognition
- Chance to reach across the board through advertising in our press releases, news and articles
- Consultative and advisory services to help members
- Consulting and advisory services to help members
- Periodic e-newsletter for the latest news, govt. announcement and schemes in dairy sectors
- Updates on training programs of CEDSI and access to the training calendar

Who Can Become a Member -

Corporates/ Cooperatives | NGO's/CSR Foundations | Dairy Farmers | Students | Professional

www.cedsi.in

17th July 2024

@cedsi_india

CEDSI : रविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया